यह प्रेस रिलीज आज अर्थात् 30 नवंबर 2017 सायं 5.30 बजे तक प्रकाशित, प्रसारित अथवा इंटरनेट पर परिचालित नहीं की जा सकेगी।

सत्यमेव जयते

प्रेस नोट

2017-18 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए सकल घरेलू उत्पाद के अनुमान

केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

भारत सरकार

National Accounts Division | IS/ISO 9001:2008 CERTIFIED

भारत सरकार

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

दिनांक 09 अग्रहायण, 1939 शक
30 नवम्बर, 2017

प्रेस नोट

2017-18 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर) के लिए सकल घरेलू उत्पाद अनुमान

केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही (क्यू 2) (जुलाई-सितम्बर) के लिए स्थिर (2011-12) मूल्यों तथा वर्तमान मूल्यों, दोनों के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान और साथ ही जीडीपी के व्यय घटकों के तदनुरूपी तिमाही अनुमान जारी किए हैं ।

2. वर्ष 2017-18 की क्यू 2 के लिए जीडीपी के अनुमानों का विवरण नीचे दिया गया है।

I आर्थिक कार्यकलापों के अनुसार सकल मूल्य वर्धन के अनुमान

(क) स्थिर (2011-12) मूल्यों पर

3. 2017-18 की क्यू 2 में स्थिर (2011-12) मूल्यों पर जीडीपी 31.66 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जबकि 2016-17 की क्यू 2 में जीडीपी 29.79 लाख करोड़ रुपए आंकी गई थी, जो 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है । वर्ष 2017-18 की क्यू 2 हेतु स्थिर (2011-12) मूल्यों पर, बुनियादी मूल्य पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन 29.18 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है जबकि 2016-17 की क्यू 2 में यह 27.51 लाख करोड़ रुपए आंकी गई थी, जो पिछले वर्ष की तदनुरूपी तिमाही की तुलना में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है ।

4. 2016-17 की क्यू 2 की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में जिन आर्थिक कार्यकलापों में 6.0 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है उनमें 'विनिर्माण', 'बिजली, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं' तथा 'व्यापार, होटल, परिवहन एवं संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाएं' हैं। इस अवधि के दौरान 'कृषि, वानिकी तथा मत्स्ययन', 'खनन तथा उत्खनन', 'निर्माण 'वित्तीय, बीमा, रीयल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाओं' तथा 'लोक प्रशासन, रक्षा तथा अन्य सेवाओं' में क्रमश: 1.7 प्रतिशत, 5.5 प्रतिशत, 2.6 प्रतिशत, 5.7 प्रतिशत और 6.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है ।

5. उद्योग विश्लेषण

दूसरी तिमाही के अनुमान, कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय, बीएसई/एनएसई से सूचीबद्ध कम्पनियों के संक्षिप्त वित्तीय परिणामों, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी), नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीजीए) द्वारा रखे गए संघ सरकार के मासिक लेखा तथा भारत के नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक द्वारा (सीजीए) रखे गए राज्य सरकार के व्यय संबंधी लेखाओं से प्राप्त वर्ष 2017-18 की खरीफ मौसम के दौरान कृषि उत्पादन पर आधारित हैं। अनुमानों का संकलन करते वक्त जुलाई-सितम्बर 2017 की अवधि के दौरान रेलवे, सड़क, वायु व जल परिवहन आदि सहित परिवहन, संचार, बैंकिंग और बीमा जैसे प्रमुख क्षेत्रों के निष्पादन को ध्यान में रखा गया है । बीएसई/एनएसई से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित जुलाई-सितम्बर 2017 की दौरान कार्पोरेट सेक्टर के निष्पादन को भी ध्यान में रखा गया है । 01 जुलाई, 2017 से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने और कर संरचना में उसके परिणामस्वरूप बदलावों के कारण, सकल घरेलू उत्पाद के संकलन के लिए प्रयुक्त कुल कर राजस्व में केंद्रीय उत्पाद तथा सीमा-शुल्क बोर्ड, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा यथाउपलब्ध जीएसटीआर फाइलिंग पर आधारित गैर-जीएसटी राजस्व तथा जीएसटी राजस्व शामिल है । 2017-18 की क्यू2 के लिए प्रयुक्त आंकड़े आज की तारीख तक दिए गए आंकड़ों पर आधारित हैं । वर्तमान तथा स्थिर कीमतों पर उत्पादों पर करों के संकलन के लिए अपनाई गई रीति *अनुलग्नक* में दी गई है ।

कृषि, वानिकी और मछली पालन

5.1 'कृषि, वानिकी और मछली पालन' सेक्टर से वर्ष 2017-18 की क्यू 2 के लिए बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्यवर्धन वर्ष 2016-17 की क्यू 2 की 4.1 प्रतिशत की तुलना में 1.7 प्रतिशत तक बढ़ा । कृषि और सहकारिता विभाग द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, जिसे वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में कृषि के सकल मूल्य वर्धन के अनुमान संकलनार्थ प्रयोग किया गया है, कृषि वर्ष 2017-18 खरीफ के मौसम के दौरान खाद्यान के उत्पादन में 2.8 प्रतिशत की कमी रही जबकि वर्ष 2016-17 की तदनुरूपी अवधि में 10.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी । इस सेक्टर के सकल मूल्य वर्धन का लगभग 52.5 प्रतिशत पशुधन उत्पाद, वानिकी और मछली पालन पर आधारित है जिसमें वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में 3.8 प्रतिशत से अधिक की संयुक्त वृद्धि दर्ज की गई है ।

खनन और उत्खनन

5.2 'खनन और उत्खनन' सेक्टर से वर्ष 2017-18 की क्यू 2 के लिए बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन वर्ष 2016-17 की क्यू 2 में हुई 1.3 प्रतिशत की कमी की तुलना में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई । खनन क्षेत्र नामत: कोयला, कच्चा तेल और आईआईपी खनन में वर्ष 2016-17 की क्यू 2 के क्रमश: (-)4.2 प्रतिशत, (-)3.3 प्रतिशत, तथा (-)1.5 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 के दौरान 8.6 प्रतिशत, (-)0.7 प्रतिशत, तथा 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दरें दर्ज की गई हैं ।

विनिर्माण

5.3 'विनिर्माण' सेक्टर में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 हेतु बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन वर्ष 2016-17 की क्यू 2 के 7.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 7.0 प्रतिशत रही । बीएसई तथा एनएसई में सूचीबद्ध कम्पनियों के उपलब्ध आंकड़ों से यथा अनुमानित निजी कार्पोरेट सेक्टर वृद्धि (जिसका विनिर्माण सेक्टर में 70 प्रतिशत से अधिक का शेयर है) वर्तमान मूल्यों पर वर्ष 2017-18 की क्यू 2 के दौरान 11.4 प्रतिशत रही । अर्ध कार्पोरेट और असंगठित खंड (जिसके अलग-अलग प्रोपराइटर्शिप तथा पार्टनशिप और खादी व ग्राम उद्योगों का विनिर्माण के क्षेत्र में लगभग 20 प्रतिशत शेयर हैं) के अनुमान विनिर्माण के आईआईपी का उपयोग करके लगाया गया है। आईआईपी विनिर्माण में वर्ष 2016-17 की क्यू 2 में 5.5 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 के दौरान 2.2 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज की गई हैं।

बिजली, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगी सेवाएं

5.4 'बिजली, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगी सेवाओं में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 हेतु बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन वर्ष 2016-17 की क्यू 2 की 5.1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 7.6 प्रतिशत तक वृद्धि हुई । इस सेक्टर के मुख्य संकेतक नामत: बिजली की आईआईपी में वर्ष 2016-17 की क्यू 2 में 3.1 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई ।

निर्माण

5.5 वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही में निर्माण क्षेत्र में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन, 2016-17 की क्यू 2 के 4.3 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में, 2.6 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई । निर्माण क्षेत्र के मुख्य संकेतकों नामत: सीमेंट का उत्पादन तथा तैयार स्टील की खपत में 2016-17 की क्यू 2 में क्रमश: 3.4 प्रतिशत तथा 6.5 प्रतिशत की तुलना में वृद्धि दर वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में क्रमश: (-)0.4 प्रतिशत तथा 4.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई ।

व्यापार, होटल तथा परिवहन एवं संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं

5.6 इस क्षेत्र में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन 2016-17 की क्यू 2 के 7.7 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में 9.9 प्रतिशत वृद्धि हुई । व्यापार क्षेत्र में सकल मूल्य वर्धन अनुमान लगाने के लिए प्रयुक्त किए गए प्रमुख संकेतक बिक्री कर में वृद्धि है । वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने से बिक्री कर के आंकड़े अब जीएसटी में शामिल हो गए हैं। अत: बिक्री कर पर आधारित टर्नओवर का तुलनात्मक अनुमान तैयार किया गया है । अनुमान की रीति *अनुलग्नक* में दी गई है । अन्य सेवा क्षेत्रों में, रेलवे के प्रमुख संकेतकों नामत: निवल टन

किलोमीटर तथा यात्री किलोमीटर में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में वृद्धि दर क्रमश: 5.0 प्रतिशत तथा (-)2.9 प्रतिशत की देखी गई । अन्य परिवहन के क्षेत्र में, नागर विमानन द्वारा संचालित यात्री, नागर विमानन द्वारा ढोए गए माल तथा प्रमुख बंदरगाहों पर माल ढुलाई और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 2017-18 की क्यू 2 में क्रमश: 13.5 प्रतिशत, 18.9 प्रतिशत, 1.5 प्रतिशत तथा 21.0 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई ।

वित्तीय, बीमा, रीयल एस्टेट तथा व्यावसायिक सेवाएं

5.7 इस क्षेत्र में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन 2016-17 की क्यू 2 के 7.0 प्रतिशत की तुलना में 2017-18 की क्यू 2 में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है । इस उद्योग के प्रमुख घटक रीयल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाएं हैं, जिसका हिस्सा 75 प्रतिशत है । इस क्षेत्र के प्रमुख संकेतक रीयल एस्टेट क्षेत्र हेतु कार्पोरेट क्षेत्र में तिमाही वृद्धि और कम्प्यूटर संबंधित कार्यकलाप हैं, जिनके अनुमान वर्तमान मूल्यों पर सूचीबद्ध कंपनियों के उपलब्ध आंकड़ों से लगाए जाते हैं । इस क्षेत्र के अन्य संकेतक अर्थात कुल बैंक जमा तथा बैंक ऋणों में सितम्बर 2016 के क्रमश: 10.8 प्रतिशत तथा 10.1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में सितम्बर 2017 में क्रमश: 8.6 प्रतिशत और 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई है ।

लोक प्रशासन तथा रक्षा एवं अन्य सेवाएं

5.8 इस क्षेत्र में बुनियादी मूल्यों पर तिमाही सकल मूल्य वर्धन 2016-17 की क्यू 2 के 9.5 प्रतिशत की तुलना में 2017-18 की क्यू 2 में 6.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई । इस क्षेत्र के मुख्य संकेतक नामत: भारत सरकार के व्यय में 2016-17 की क्यू 2 के 20.8 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 दौरान 0.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई ।

(ख) वर्तमान मूल्यों पर

6. सकल घरेलू उत्पाद बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन उत्पादों पर निवल सब्सिडी के उपरांत कर जोड़कर प्राप्त किए जाते हैं । उत्पादों पर करों में केंद्रीय तथा राज्य सरकारों के जीएसटी एवं गैर-जीएसटी राजस्व शामिल है ।

वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी 2016-17 की क्यू 2 के 36.76 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में 40.22 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है जो 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है । वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में वर्तमान मूल्यों पर बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन 36.40 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है जबकि वर्ष 2016-17 की क्यू 2 में यह 33.52 लाख करोड़ रुपए थी जो कि 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है ।

(ग) अपस्फीती के तौर पर प्रयुक्त मूल्य सूचकांक

7. समूह - खाद्य वस्तुएं, खनिजों, विनिर्मित उत्पादों और अन्य सभी वस्तुओं के संबंध में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में वर्ष 2016-17 की क्यू 2 की तुलना में 2017-18 की क्यू 2 के दौरान क्रमश: 3.4 प्रतिशत, 2.1 प्रतिशत और 2.6 प्रतिशत वृद्धि हुई जबकि विद्युत में 1.6 प्रतिशत की प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है । उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में वर्ष 2016-17 की क्यू 2 की 5.2 प्रतिशत वृद्धि तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 के दौरान 3.0 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है ।

II सकल घरेलू उत्पाद पर व्यय का अनुमान

8. सकल घरेलू उत्पाद पर व्यय के घटक, नामतः खपत, व्यय तथा पूंजी निर्माण सामान्यत: बाजार मूल्यों पर आंके जाते हैं । अत: निम्नलिखित पैराग्राफों में प्रस्तुत समुच्चय, बाजार मूल्यों के संदर्भ में हैं।

निजी अंतिम उपभोग व्यय

9. वर्तमान मूल्यों पर निजी अंतिम उपभोग व्यय 2016-17 की क्यू 2 में 21.07 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 2017-18 की क्यू 2 में 23.05 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । स्थिर (2011-12) मूल्यों पर, पीएफसीई 2016-17 की क्यू 2 के 16.02 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 2017-18 की क्यू 2 में 17.06 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । जीडीपी के संदर्भ में, वर्ष 2017-18 की क्यू 2 के दौरान वर्तमान तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर पीएफसीई की दरें 2016-17 की क्यू 2 में क्रमश: 57.3 प्रतिशत तथा 53.8 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 के दौरान क्रमशः 57.3 प्रतिशत और 53.9 प्रतिशत अनुमानित है । वर्तमान और स्थिर मूल्यों पर निजी अंतिम उपभोग व्यय की वृद्धि दरें वर्ष 2016-17 की क्यू 2 के दौरान क्रमशः 11.9 प्रतिशत और 7.9 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 के दौरान क्रमशः 9.4 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत अनुमानित हैं।

सरकारी अंतिम उपभोग व्यय

10. वर्तमान मूल्यों पर 2016-17 की क्यू 2 में सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई) 5.07 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 2017-18 की क्यू 2 में 5.43 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । स्थिर (2011-12) मूल्यों पर, 2016-17 की क्यू 2 में जीएफसीई 3.81 लाख करोड़ रूपए की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में यह 3.96 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । जीडीपी के संदर्भ में, वर्तमान तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर, 2016-17 की क्यू 2 की जीएफसीई दरें क्रमश: 13.8 प्रतिशत तथा 12.8 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में यह दरें क्रमश: 13.5 प्रतिशत तथा 12.5 प्रतिशत अनुमानित हैं । वर्तमान और स्थिर मूल्यों पर सरकारी अंतिम

उपभोक्ता व्यय की वृद्धि दरें वर्ष 2016-17 की क्यू 2 के दौरान क्रमशः 21.2 प्रतिशत और 16.5 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 के दौरान क्रमशः 7.1 प्रतिशत और 4.1 प्रतिशत अनुमानित हैं

सकल नियत पूंजी निर्माण

11. वर्तमान मूल्यों पर 2016-17 की क्यू 2 में सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) 9.98 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 2017-18 की क्यू 2 में यह 10.61 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है। स्थिर (2011-12) मूल्यों पर, 2016-17 की क्यू 2 में जीएफसीएफ 8.74 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में यह 9.15 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । जीडीपी के संदर्भ में, वर्तमान तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर 2016-17 की क्यू 2 के दौरान जीएफसीएफ की दरें क्रमश: 27.1 प्रतिशत तथा 29.4 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 में यह दरें क्रमश: 26.4 प्रतिशत तथा 28.9 प्रतिशत अनुमानित है । वर्तमान और स्थिर मूल्यों पर सकल नियत पूंजी निर्माण की वृद्धि दरें वर्ष 2016-17 की क्यू 2 के दौरान क्रमशः 2.9 प्रतिशत और 3.0 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2017-18 की क्यू 2 के दौरान क्रमशः 6.3 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत अनुमानित हैं।

12. अप्रैल-सितम्बर 2015-16, 2016-17 तथा 2017-18 की क्यू 2 के लिए आर्थिक कार्यकलापों के प्रकार और जीडीपी संबंधी व्यय के अनुसार आधार मूल्यों पर स्थिर (2011-12) मूल्य और वर्तमान मूल्यों के आधार पर सकल मूल्य वर्धन के अनुमान विवरण 1 से 8 में दिए गए हैं ।

13. अक्तूबर-दिसम्बर, 2017 (2017-18 की क्यू 3) के तिमाही जीडीपी अनुमान जारी करने की अगली तारीख **28.02.2018** होगी ।

विवरण 1: वर्ष 2017-18 की क्यू2 (जुलाई-सितम्बर) में आधार मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन के तिमाही अनुमान

(2011-12 मूल्यों पर)

	(करोड़ रु. में) बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन						पिछले वर्ष की तुलना प्रतिशत बदलाव			
	2015-16		**2016-17**		**2017-18**		**2016-17**		**2017-18**	
उद्योग	**क्यू 1**	**क्यू 2**	**क्यू 1**	**क्यू 2**	**क्यू 1**	**क्यू 2**	**क्यू 1**	**क्यू 2**	**क्यू 1**	**क्यू 2**
1.कृषि वानिकी एवं मत्स्ययन	371468	306694	380833	319173	389732	324521	2.5	4.1	2.3	1.7
2.खनन एवं उत्खनन	87294	66214	86485	65368	85911	68967	-0.9	-1.3	-0.7	5.5
3.विनिर्माण	458128	464719	507223	500655	513139	535542	10.7	7.7	1.2	7.0
4.विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं	55324	57912	61018	60850	65289	65467	10.3	5.1	7.0	7.6
5. निर्माण	222464	208855	229321	217790	233919	223539	3.1	4.3	2.0	2.6
6.व्यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं	474733	466888	516958	503064	574261	553021	8.9	7.7	11.1	9.9
7.वित्तीय, बीमा, रिएल एस्टेट तथा व्यवसायिक सेवाएं	594754	670123	650607	717077	692522	757968	9.4	7.0	6.4	5.7
8.लोक प्रशासन, रक्षा तथा अन्य सेवाएं	293784	334639	318963	366583	349356	388531	8.6	9.5	9.5	6.0
बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन	**2557949**	**2576044**	**2751407**	**2750560**	**2904128**	**2917556**	**7.6**	**6.8**	**5.6**	**6.1**

National Accounts Division IS/ISO 9001:2008 CERTIFIED

विवरण 2: वर्ष 2017-18 के क्यू2 (जुलाई-सितम्बर) में सकल घरेलू उत्पाद व्यय के तिमाही अनुमान

(2011-12 मूल्यों पर)

मद	सकल घरेलू उत्पाद का व्यय (करोड़ रु. में)						जीडीपी की दरें (%)			
	2015-16		2016-17		2017-18		2016-17		2017-18	
	क्यू 1	क्यू 2	क्यू 1	क्यू 2	क्यू 1	क्यू 2	क्यू 1	क्यू 2	क्यू 1	क्यू 2
1. निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई)	1453347	1484050	1575613	1601797	1680481	1705978	53.6	53.8	54.0	53.9
2. सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई)	286327	326759	333761	380561	391080	396284	11.3	12.8	12.6	12.5
3. सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ)	849973	848892	912768	874494	927506	915211	31.0	29.4	29.8	28.9
4. स्टॉक में परिवर्तन	67160	68126	73118	72171	73979	77000	2.5	2.4	2.4	2.4
5. बहुमूल्य वस्तुएं	40244	46978	34687	36783	105716	75408	1.2	1.2	3.4	2.4
6. निर्यात	583423	599072	594947	608293	602159	615706	20.2	20.4	19.4	19.4
7. (-) आयात	623959	656986	620649	631865	703827	679194	21.1	21.2	22.6	21.5
8. विसंगतियां	69359	53206	37601	36584	33052	59271	1.3	1.2	1.1	1.9
जीडीपी	**2725873**	**2770097**	**2941846**	**2978817**	**3110145**	**3165664**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**
जीडीपी *(पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव)*			**7.9**	**7.5**	**5.7**	**6.3**				

विवरणी 3: वर्ष 2017-18 के क्यू 2 (जुलाई-सितम्बर) में आधार मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन के तिमाही अनुमान
(वर्तमान मूल्यों पर)

	(करोड़ रु. में) बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन						पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव			
	2015-16		**2016-17**		**2017-18**		**2016-17**		**2017-18**	
उद्योग	**क्यू 1**	**क्यू 2**	**क्यू 1**	**क्यू 2**	**क्यू 1**	**क्यू 2**	**क्यू 1**	**क्यू 2**	**क्यू 1**	**क्यू 2**
1.कृषि वानिकी एवं मत्स्ययन	487463	411860	535817	453016	537540	469624	9.9	10.0	0.3	3.7
2.खनन एवं उत्खनन	89202	62948	74069	57256	82270	64661	-17.0	-9.0	11.1	12.9
3.विनिर्माण	510270	513542	561546	557478	583080	610611	10.0	8.6	3.8	9.5
4.विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं	80345	83635	84781	85543	91306	90509	5.5	2.3	7.7	5.8
5.निर्माण	257820	240308	263908	253148	275466	266501	2.4	5.3	4.4	5.3
6.व्यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं	554319	542097	599817	589846	686195	661949	8.2	8.8	14.4	12.2
7.वित्तीय, बीमा, रिएल एस्टेट तथा व्यवसायिक सेवाएं	690702	774052	768015	856073	837108	928437	11.2	10.6	9.0	8.5
8.लोक प्रशासन, रक्षा तथा अन्य सेवाएं	380690	435775	428746	499351	484492	548129	12.6	14.6	13.0	9.8
बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन	**3050811**	**3064217**	**3316698**	**3351712**	**3577457**	**3640421**	**8.7**	**9.4**	**7.9**	**8.6**

विवरण 4: वर्ष 2017-18 के क्यू2 (जुलाई-सितम्बर) में सकल घरेलू उत्पाद के व्यय के तिमाही अनुमान

(वर्तमान मूल्यों पर)

मद	सकल घरेलू उत्पाद का व्यय *(करोड़ रु. में)*						जीडीपी की दरें (%)			
	2015-16		2016-17		2017-18		2016-17		2017-18	
	क्यू 1	क्यू 2	क्यू 1	क्यू 2	क्यू 1	क्यू 2	क्यू 1	क्यू 2	क्यू 1	क्यू 2
1.निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई)	1823568	1883076	2042054	2106743	2226885	2304645	57.4	57.3	57.3	57.3
2. सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई)	357350	418342	433530	507156	519320	543314	12.2	13.8	13.4	13.5
3. सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ)	978519	969396	1036732	997746	1068642	1060787	29.2	27.1	27.5	26.4
4. स्टॉक में परिवर्तन	74613	75091	81641	81050	83610	87945	2.3	2.2	2.2	2.2
5. बहुमूल्य वस्तुएं	44737	50605	37948	44450	108658	78119	1.1	1.2	2.8	1.9
6. निर्यात	671293	687100	687415	708729	708680	733272	19.3	19.3	18.2	18.2
7. (-) आयात	757976	795275	746878	765671	860680	840618	21.0	20.8	22.2	20.9
8. विसंगतियां	28174	38139	-17506	-4413	28666	54871	-0.5	-0.1	0.7	1.4
जीडीपी	**3220278**	**3326474**	**3554938**	**3675789**	**3883781**	**4022335**	100.0	100.0	100.0	100.0
जीडीपी *(पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव)*			**10.4**	**10.5**	**9.3**	**9.4**				

विवरण 5: वर्ष 2017-18 के एच1 के (अप्रैल-सितम्बर) में आधार मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन के अनुमान
(2011-12 मूल्यों पर)

उद्योग	अप्रैल-सितम्बर (एच1)				
	(करोड़ रु. में) **एच1 में बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन**			**एच1 में पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव**	
	2015-16	**2017-18**	**2017-18**	**2016-17**	**2017-18**
1.कृषि वानिकी एवं मत्स्ययन	678162	700007	714253	3.2	2.0
2.खनन एवं उत्खनन	153508	151853	154877	-1.1	2.0
3.विनिर्माण	922847	1007877	1048682	9.2	4.0
4.विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं	113236	121867	130756	7.6	7.3
5.निर्माण	431319	447110	457458	3.7	2.3
6.व्यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं	941621	1020022	1127282	8.3	10.5
7.वित्तीय, बीमा, रिएल एस्टेट तथा व्यवसायिक सेवाएं	1264877	1367684	1450490	8.1	6.1
8.लोक प्रशासन, रक्षा तथा अन्य सेवाएं	628423	685546	737886	9.1	7.6
आधार मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन	**5133993**	**5501967**	**5821683**	7.2	5.8

विवरण 6: वर्ष 2017-18 के एच1 के (अप्रैल-सितम्बर) में सकल घरेलू उत्पाद के व्यय के अनुमान

(2011-12 मूल्यों पर)

मद	अप्रैल-सितम्बर (एच1)				
	(करोड़ रु. में) **एच1 में सकल घरेलू उत्पाद का व्यय**			**जीडीपी की दरें (% में)**	
	2015-16	**2016-17**	**2017-18**	**2016-17**	**2017-18**
1.निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई)	2937396	3177410	3386459	53.7	54.0
2. सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई)	613085	714322	787364	12.1	12.5
3. सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ)	1698866	1787262	1842717	30.2	29.4
4. स्टॉक में परिवर्तन	135287	145289	150979	2.5	2.4
5. बहुमूल्य वस्तुएं	87221	71469	181123	1.2	2.9
6. निर्यात	1182494	1203240	1217865	20.3	19.4
7. (-) आयात	1280944	1252514	1383021	21.2	22.0
8. विसंगतियां	122565	74185	92323	1.3	1.5
जीडीपी	**5495970**	**5920663**	**6275810**	**100.0**	**100.0**
जीडीपी *(पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव)*		**7.7**	**6.0**		

विवरण 7: वर्ष 2017-18 के एच1 के (अप्रैल-सितम्बर) में आधार मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन के अनुमान

(वर्तमान मूल्यों पर)

उद्योग	अप्रैल-सितम्बर (एच1)				
	(करोड़ रु. में) **एच1 में बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन**			**एच1 में पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव**	
	2015-16	**2016-17**	**2017-18**	**2016-17**	**2017-18**
1.कृषि वानिकी एवं मत्स्ययन	899323	988833	1007164	10.0	1.9
2.खनन एवं उत्खनन	152150	131325	146930	-13.7	11.9
3.विनिर्माण	1023812	1119023	1193692	9.3	6.7
4.विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं	163980	170324	181816	3.9	6.7
5.निर्माण	498129	517056	541967	3.8	4.8
6.व्यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं	1096416	1189663	1348144	8.5	13.3
7.वित्तीय, बीमा, रिएल एस्टेट तथा व्यवसायिक सेवाएं	1464754	1624089	1765544	10.9	8.7
8.लोक प्रशासन, रक्षा तथा अन्य सेवाएं	816465	928097	1032622	13.7	11.3
बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन	**6115029**	**6668410**	**7217878**	9.0	8.2

विवरण 8: वर्ष 2017-18 के एच1 के (अप्रैल-सितम्बर) में सकल घरेलू के व्यय के अनुमान

(वर्तमान मूल्यों पर)

मद	अप्रैल-सितम्बर (एच1)				
	(करोड़ रु. में) **एच1 में सकल घरेलू उत्पाद का व्यय**			**जीडीपी की दरें (%)**	
	2015-16	**2016-17**	**2017-18**	**2016-17**	**2017-18**
1. निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई)	3706644	4148798	4531531	57.4	57.3
2. सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई)	775692	940686	1062634	13.0	13.4
3.सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ)	1947914	2034477	2129428	28.1	26.9
4. स्टॉक में परिवर्तन	149704	162691	171554	2.2	2.2
5. बहुमूल्य वस्तुएं	95343	82397	186777	1.1	2.4
6. निर्यात	1358392	1396144	1441952	19.3	18.2
7(-) आयात	1553251	1512548	1701298	20.9	21.5
8.विसंगतियां	66313	-21919	83537	-0.3	1.1
जीडीपी	**6546752**	**7230726**	**7906117**	**100.0**	**100.0**
जीडीपी *(पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव)*		**10.4**	**9.3**		

एच1: अप्रैल-सितम्बर

अनुलग्नक

अनुमान की रीति

(1) वर्तमान मूल्यों पर उत्पादों संबंधी कर

सकल घरेलू उत्पाद का संकलन करने के लिए उत्पादों संबंधी करों में जीएसटी और गैर-जीएसटी राजस्व, दोनों शामिल हैं । केन्द्रीय उत्पाद और सीमा-शुल्क बोर्ड, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा यथाउपलब्ध जीएसटीआर फाइलिंग पर आधारित जीएसटी राजस्व का उपयोग किया गया है । इसमें सीजीएसटी, एसजीएसटी, यूटीजीएसटी, आईजीएसटी (घरेलू तथा आयात), उपकर (घरेलू और आयात) शामिल हैं । गैर-जीएसटी राजस्व में, जीएसटी के कर आधार से बाहर की वस्तुओं जैसे कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, एटीएफ और प्राकृतिक गैस तथा मानव उपयोग के लिए ऐल्कोहल आदि पर केन्द्रीय और राज्य उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क और बिक्री कर शामिल हैं ।

(2) स्थिर मूल्यों पर उत्पादों संबंधी कर

अत्यधिक विस्तार वाले उत्पादों पर करों के स्थिर मूल्य अनुमानों के संकलन वाली वर्तमान रीति को राष्ट्रीय लेखा प्रणाली,2008 के अन्तर्गत निर्धारित रीति की तर्ज पर अंगीकार की गई है । वाल्युम एक्सट्रापोलेशन, कर लगाए गए वस्तुओं और सेवाओं में वाल्युम वृद्धि का उपयोग करके किया जाता है तथा करों की कुल मात्रा प्राप्त करने के लिए जोड़ा जाता है ।

(3) व्यापार क्षेत्र से जीवीए का अनुमान लगाना

बिक्री करों पर आधारित टर्नओवर के सूचकांक का उपयोग करके व्यापार क्षेत्र से जीवीए का अनुमान लगाया जाता है । जीएसटी लागू हो जाने से, बिक्री कर आंकड़े अब जीएसटी के अन्तर्गत सम्मिलित किए जाते हैं । जीएसटआर-3बी विवरण जिसे अब दाखिल किया जा रहा है, उसमें एचएसएन/एसएसी कोडों के बगैर कुल आउटवर्ड कर योग्य सप्लाई उपलब्ध है। आउटवर्ड सप्लाई के इस कर-योग्य मूल्य में वस्तु तथा सेवा, दोनों शामिल हैं। बिक्री कर/वैट वस्तुओं की बिक्री अथवा खरीद पर लगाया जाता है । जब तक सप्लाई की गई वस्तुओं का कर-योग्य मूल्य का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं हो जाता, बिक्री कर पर आधारित टर्नओवर का तुलनात्मक अनुमान लगाना होगा। संभावित बिक्री कर संग्रहण के आकलन के लिए, निम्नलिखित तीन दृष्टिकोणों का परीक्षण किया गया था।

(क) पीओएल जैसे विशिष्ट उत्पाद, जो जीएसटी के कर आधार तथा वर्ष 2014-15 से आगे संग्रहीत कुल बिक्री करों से बाहर हैं, पर संग्रहीत बिक्री करों के अनुपात की जांच की गई । यह पाया गया कि अनुपात कुल मिलाकर स्थिर था। ऐसी स्थिति में, वर्ष 2017-18 की दूसरी तिमाही के लिए बिक्री कर संग्रहण का अनुमान लगाया गया ।

(ख) वस्तु उत्पादनकर्ता क्षेत्रों के आउटपुट के मूल्य पर बिक्री कर के मंदी के आधार पर 2017-18 की दूसरी तिमाही के लिए त्रैमासिक बिक्री कर आंकड़ों का पूर्वानुमान 2011-12 से ही उपलब्ध है । मौसमी उतार-चढ़ाव की दृष्टि से गणना के लिए, मौसमी नकली चरों का उपयोग किया गया था।

(ग) वस्तु उत्पादनकर्ता क्षेत्रों के आउटपुट में नाममात्र की वृद्धि का उपयोग करके बिक्री कर संग्रहण का अनुमान लगाया गया है ।

उक्त तीनों दृष्टिकोणों को राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी संबंधी सलाहकार समिति (एसीएनएएस) के समक्ष रखा गया था। एसीएनएएस ने तीनों दृष्टिकोणों को अंगीकार करके प्राप्त औसत अनुमानों के उपयोग करने की संस्तुति की ।